availability of land, etc., it is not good. It is a State issue. Even Ghulam Nabiji also just now said that the land is not acquired. There are different views on different issues, but anyhow, as senior Members have raised it, i will convey it to the concerned Ministers and then, they will definitely look into this. But I can assure the House that there is no question of taking revenge. Any Government which comes into power will have their own schemes. That has been the practice. Shri Atal Bihari Vajpayee's name used to be there in the National Highway. That has been removed. Then, in Valmiki Ambedkar Yojana, Ambedkar's name has been removed subsequently. N. T. Rama Rao's name has been removed from the airport. Who did this? Let us not try to score political points and criticise each other. Facts have to be facts. As you raised now about the two constituencies, Amethi and Rae Bareli, I will definitely tell the concerned Ministers. They will examine it also and I will ask them to inform you what are the reasons and what is the background of it. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Nothing more about that. Dr. Satyanarayana Jatiya.

Need for rehabilitation and provision of social security to Scheduled Castes involved in sanitation work

डा. सत्यनारायण जटिया (मध्य प्रदेश): उपसभापति महोदय, आर्थिक वैश्वीकरण के कारण तेजी से बदलाव के इस दौर में मैं decent work की समस्याओं के संबंध में अपनी बात सदन के सामने रखना चाहता हूं।

महोदय, आर्थिक वैश्वीकरण के कारण दुनिया में तेजी से आ रहे आर्थिक बदलाव के संबंध में मजदूरों और उनके काम करने के हालात को अच्छा बनाने के लिए, कामगारों के प्रति अच्छे व्यवहार की ओर सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। महोदय, यह देखने में आता है किं अस्वच्छ धधों में सफाई के काम में लगे कामगारों के प्रति, tannery में लगे कामगारों के प्रति और ऐसे खतरनाक कामों में लगे सभी मजदूरों के प्रति जिस प्रकार की जागरूकता होनी चाहिए और उन्हें जो सुविधाएं मिलनी चाहिए, वह उन्हें नहीं मिल पाती हैं। उनके प्रति समाज में जो सम्मान का भाव होना चाहिए, वह भी उन्हें नहीं मिल पाता है।

महोदय, हमारे यहां कहा गया है कि "काम ही पूजा है", परंतु जो लोग ऐसे काम में लगे हैं, यदि उनके प्रति लोगों में दुराव का भाव होगा, उनके प्रति नफरत का भाव होगा, तो निश्चित रूप से हम एक बड़ी बात को छोड़ देंगे। हमने भारत के संविधान में कहा है कि अस्पृश्यता का अंत कर दिया गया है, लेकिन अस्पृश्यता अभी भी समाज में स्पष्ट रूप से दिखायी देती है। महोदय, ऐसे कामों में लगे जो मेहनतकश लोग हैं, जो अस्वच्छ धंधों में लगे कामगार हैं, उन लोगों के प्रति दुराव का भाव समाज से जाना चाहिए। मैं निश्चित रूप से कहना चाहता हूं कि Decent work needs decent behavior, यह हमारी सभ्यता और प्रगति का द्योतक है। हमने स्वच्छ भारत अभियान शुरू किया था, उसके पीछे भी यही भाव था। महोदय, मेरे ध्यान में एक prose की पंक्तियां आती हैं कि, God didn't create a man

to be miserable to hunger and die in the midst of plenty which is the result of his own labour. मनुष्य मेहनत करे, काम करे और उसे सम्मान न मिले, तो यह निश्चित रूप से उसके प्रति सब से बड़ा अन्याय होगा। इस अन्याय को दूर करने के लिए हमें प्रभावी उपाय करने चाहिए। इन सारे कार्यों को करने के लिए हमने जिस तरह के कानून बनाए हैं, उन नियम व कानूनों को व्यवहार में लाने के लिए हमें उपाय करने हैं। हमें लोगों की सामाजिक मानसिकता में बदलाव के लिए काम करना है। हमें इस प्रकार के सारे उपाय करने की जरूरत है। इसलिए मैं सदन से आग्रह करना चाहूंगा कि इन सारे कामों में जो लोग लगे हुए हैं, उनके प्रति दुराव व अस्पृश्यता का भाव दूर होना चाहिए और उनके प्रति सम्मानजनक बर्ताव के लिए आवश्यक प्रबंध किया जाना चाहिए। धन्यवाद।

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Sir, I associate myself with the concern expressed by Dr. Satyanarayan Jatiya.

SHRI T. K. RANGARAJAN (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the concern expressed by Dr. Satyanarayan Jatiya.

SHRI RITABRATA BANERJEE (West Bengal): Sir, I too associate myself with the concern expressed by Dr. Satyanarayan Jatiya.

श्री रणविजय सिंह जूदेव (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं इस विषय से अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री राम नारायण डूडी (राजस्थान): महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

डा. विनय पी. सहस्त्रबुद्धे (महाराष्ट्र): महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री राम विचार नेताम (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

Need to reconsider decision regarding de-notification of F.C.I. depots and bringing back private contract system by Ministry of Labour

SHRI K.K. RAGESH (Kerala): Sir, I take this opportunity to bring before this august House the retrograde step taken by the Ministry of Labour and Employment.

Sir, recently, the Ministry of Labour and Employment had de-notified 226 F.C.I. depots so as to bring back labour contract system. Sir, the Ministry of Labour and Employment has got a responsibility to ensure that all the labour laws are properly implemented, including the Contract Labour (Regulation and Abolition) Act.

The F.C.I, had gone to the CACLB for getting its consent for de-notifying its depots. But, the CACLB rejected the F.C.I, s request and, even after the rejection, the Ministry had given a note for de-notifying the depots which, subsequently, going to affect the lives and livelihood of lakhs of workers in our country. And, Sir, contract labour system which